>

Title: * hNeed to take steps for the revival and promotion of "Manjusha Paintings' in the country.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): महोदय, मंजूषा चित्रकला, भागलपुर के प्राचीन समृद्ध इतिहास से जुड़ी चित्रकला है। प्राचीन काल में मंजूषा कला अंग जनपद, जिसमें बिहार के वर्तमान 15 जिले तथा झारखंड के 6 जिले आते थे, में फैली हुई थी। अंग की आंचलिक चित्रकला शैली को दर्शाती मंजूषा चित्रकला विश्व प्रसिद्ध मधुबनी पेंटिग से कम नहीं है। इस कला की उत्पति भागलपुर की प्राचीन लोकगाथा बिहुला विषहरी लोक कथा तथा उसी की परिणति विषहरी पूजा के कर्मकांड से जुड़ी है। नारी की शक्ति एवं सम्मान को दर्शाती यह चित्रकला सचमुच में हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। इस चित्रकला का कुछ स्वरूप पश्चिम बंगाल में भी देखने को मिलता है।

महोदय, मंजूषा चित्रकला में अपार संभावनाएं हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र की यह सांस्कृतिक विरासत लुप्त होने के कगार पर है। इसलिए लुप्त होती इस संस्कृति एवं शिल्प को संरक्षण प्रदान कर उसे एक विस्तृत बाजार उपलब्ध कराकर प्रतिष्ठा प्रदान की जाये। मेरा माननीय कपड़ा मंत्री जी से यह अनुरोध है कि हथकरघा उद्योग तथा रेशम उद्योग को भी इससे जोड़ा जाये। इसके डिजायनों को विभिन्न उच्च तकनीकी डिजायन शिक्षण संस्थाओं में भेजकर इसकी गुणवत्ता में सुधार लाने की पहल की जाये। सरकारी स्तर पर इसको पूर्ण रूप से संरक्षण प्राप्त हो, जिससे इसको सरकारी कार्यालयों एवं सार्वजनिक स्थानों पर लगाया जा सके। तभी मंजूÂा चित्रकला की पहचान राÂट्रीय परिवेश में हो सकेगी और इसके शिल्पियों को सम्मान मिल सकेगा।